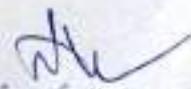


		भाग अ – परिचय	
कार्यक्रम का प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष (ताल वाद्य)	सत्र: 2025-26
<b>A1-MSTV3T</b>			
क्रं.			
1	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का सैद्धांतिक अध्ययन (प्रश्न पत्र -3)	
2	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / तबला / पखावज)	कोर कोर्स (मेजर) सैद्धांतिक	
3	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) यदि कोई हो	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय संगीत कक्षा / 12वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो।	
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय संगीत परंपरा से परिचित कराना।</li> <li>2. भारतीय प्राचीन सांगितिक ग्रंथों का ज्ञान।</li> <li>3. विद्यार्थियों को ताललिपि पद्धति से परिचित कराना।</li> <li>4. लय तथा लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।</li> <li>5. विद्यालयीन संगीत शिक्षण व्यवस्था एवं उसमें रोजगार के अवसरों को जानना।</li> </ol>	
5	क्रेडिट मान	06	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35
<b>भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु</b>			
<b>व्याख्यान की कुल संख्या –ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:</b>			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
i	भारतीय ज्ञान परंपरा के सन्दर्भ में – <ol style="list-style-type: none"> <li>1. नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय।</li> <li>2. संगीत रत्नाकर ग्रंथ का सामान्य परिचय।</li> <li>3. प्राचीन अवनद्ध वाद्यों का सामान्य परिचय।</li> </ol> गतिविधि – इकाई से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का निर्माण	12 घंटे	
ii	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. तबला वाद्य की उत्पत्ति का संक्षिप्त इतिहास।</li> <li>2. ध्वनि, स्वर, सप्तक, आवर्तन की परिभाषाएँ।</li> <li>3. उत्तर भारतीय ताल पद्धति एवं दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का सामान्य अध्ययन।</li> </ol> गतिविधि – इकाई से सम्बन्धित विषय पर समूह चर्चा।	12 घंटे	
iii	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान। उ. अहमद जान थिरकवा, पं. रामसहाय, उ. हबीबुद्दीन खॉं, पं. कुदउ सिंह।</li> <li>2. अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण-दोषों का अध्ययन।</li> <li>3. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन के विभिन्न आयाम</li> </ol> गतिविधि – भारत के महत्वपूर्ण सांगीतिक समारोह का चार्ट तैयार करना।	12 घंटे	

iv	<p>1. तीनताल में तेटे और तिरफिट बोलों पर आधारित दो प्रारंभिक कायदों का पलटों सहित लिपिबद्ध करने का ज्ञान।</p> <p>2. पाठ्यक्रम की तालों को दुगुन लय में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।</p> <p>3. विद्यालयीन संगीत शिक्षण एवं उसकी उपयोगिता तथा उसमें निहित रोजगार के अवसर।</p> <p>गतिविधि – संगीत शिक्षण से निहित रोजगार के अवसरों पर समूह परिचर्चा</p>	12 घंटे
v	<p>निबंध लेखन –</p> <p>1. गुरु शिष्य परंपरा।</p> <p>2. लोक संगीत एवं शास्त्रीय संगीत।</p> <p>3. भारतीय संगीत में तालों का महत्व।</p> <p>गतिविधि– भारतीय संगीत की गुरु शिष्य परंपरा विषय पर परिचर्चा।</p>	12 घंटे

<b>भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन</b>		
पाठ्य पुस्तकें, सदर्म पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/अन्य/पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:		
लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक" प्रकाशन नाम, शहर/ संस्करण नं. यदि कोई हो।		
1. संगीत विशारद, बसंत, प्रकाशन-लक्ष्मीनारायण गर्ग, संगीत कार्यलय हाथरस		
2. ताल परिचय, डॉ० गिरीशचंद्र श्रीवास्तव, भाग-1		
3. ताल परिचय भाग-2 गिरीशचंद्र श्रीवास्तव		
4. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
<b>भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:</b>		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट /	कुल अंक 30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रजेंटेशन)	
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न(प्रत्येक 50 शब्द)	03x03=09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04x08=32
	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(प्रत्येक 500 शब्द)	02x15=30
		कुल अंक 70

  
 Dr. Nagesh Kumar Tripathi  
 Deptt. of Music  
 T.R.S. College, Rewa (M.P.)

		<b>Part A Introduction</b>	
Program: Certificate Course		Class BA 1 <sup>st</sup> Year	Session: 2025-26
<b>Subject : Taal Vadhya (Tabla/Pakhawaj)</b>			
1	Course Code	<b>A1-MSTV3T</b>	
2	Course Title	Theoretical study of Indian Music.(Paper3)	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/..tabla/pakhawaj)	Core Course (major)	
4	Pre-requisit (if any)	<p>To study this course, a student must have had the subject music in class/12<sup>th</sup> /certificate/diploma.</p> <p>.....</p> <p>This course can be opted as an elective by the students of following subjects:...../Open for all</p>	
5	Course Learning outcomes (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. Introduce students to indian music tradition throught syllabus.</li> <li>2. Knowledge of ancient Indian musical texts.</li> <li>3. Introduce students of taal Notation system.</li> <li>4. Knowledge of writing in laya and laykari.</li> <li>5. To know about the music education system in schools and the employment.</li> </ol>	
6	Credit Value	06	
7	Total Marks	Max Marks 30+70	
<b>Part B-Content of the Course</b>			
Total No. of Lectures-tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:			
Unit	Topics		No. of Lectures
I	<b>In the context of Indian Knowledge tradition-</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. General introduction to Natyashastra.</li> <li>2. General introduction to Sangeet Ratnakar.</li> <li>3. General introduction to the ancient percussion instruments.</li> </ol> <b>Activity-</b> Preparation of objective type questions related to the unit.		12 hr.
II	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. A brief history of the origin of the tabla instrument.</li> <li>2. Definitions of Dhvani, Swar, Saptak, Avartan.</li> <li>3. General study of north Indian taal system and south Indian taal system.</li> </ol> <b>Activity-</b> Group discussion on a topic related to unit.		12 hr

iii	<ol style="list-style-type: none"> <li>Biography and musical contribution of the following musicians- Ut. Ahmad jaanthirkwa, Pt. Ramsahay, Ut. Habibuddeen khan, Pt. kudaoo singh.</li> <li>Study of the merits and demerits of percussion instrument players.</li> <li>Different dimensions of composition of musical programmes.</li> </ol> <p><b>Activity-</b> To prepare a chart of important musical festivals of india.</p>	12 hr
iv	<ol style="list-style-type: none"> <li>Knowledge of notation to basic kaydas based on Tete and Tirkir Varnas in teentaal including paltas.</li> <li>Knowledge of the taals of the course in dugun laya.</li> <li>Music training in schools and its utility and the employment opportunities involved in it.</li> </ol> <p><b>Activity-</b> Group discussion on employment opportunities inherent in music teaching.</p>	12 hr
v	<p><b>Essay Writing –</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Guru- disciple tradition.</li> <li>Folk music and classical music.</li> <li>Importance of taals in Indian music.</li> </ol> <p><b>Activity-</b> Discussion on the guru-disciple tradition of Indian music.</p>	12 hr

**Keywords/Tags:**

**Part C-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other resources**

**Suggested Readings:**

- Author Surname, Initials "Book Title", Publisher's name. City/country of publication. year of publication. Edition No. if any
- Sangeet visharad, Vasant, Laxmi Narayan publication, sangeet karyalaya hathras
- Taal Parichay, Dr. Girischandra Shrivastava part-1 Sangeet sadan, South Mala ka Allahabad (U.P.)
- Taal Parichay, Part-2 Dr. Girischandra Shrivastava part-1 Sangeet sadan, South Mala ka Allahabad (U.P.)

1. Suggestive Digital platforms web links

**Suggested equivalent online Courses:**

**Part D- Assessment and Evaluation**

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks: 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCF): 30 marks University Exam (UF) 70 Marks

<b>Internal Assessment :</b>	Class Test Assignment/Presentation	15
<b>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30</b>		15
<b>Internal Assessment :</b>	<b>Section (A):</b> Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 x 03= 09
<b>University Exam Section:70</b>	<b>Section (B):</b> Four Short Questions (200 Words Each) <b>Section (C):</b> Two Long Questions(500 Words Each)	04 x 05 = 20 02 x 15 = 30 Total 70